कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न - उत्तर

www.evidyarthi.in

फिर से याद करें

1. जोड़ा बनाओ :

गुर्जर-प्रतिहार	–	पश्चिमी दक्कन
राष्ट्रकूट	–	बंगाल
पाल	–	गुजरात और राजस्थान
चोल	–	तमिलनाडु

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

उत्तर गुर्जर-प्रतिहार	–	गुजरात और राजस्थान
राष्ट्रकूट	–	पश्चिमी दक्कन
पाल	–	बंगाल
चोल	–	तमिलनाडु

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. ‘त्रिपक्षीय संघर्ष’ में लगे तीनों पक्ष कौन-कौन से थे?

उत्तर - त्रिपक्षीय संघर्ष में लगे तीनों पक्ष

1. गुर्जर-प्रतिहार,
2. राष्ट्रकूट,
3. पाल

राष्ट्रकूट 753-982 सीई

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

पाल साम्राज्य 750-1161 सीई

गुर्जर प्रतिहार 8वीं-11वीं शताब्दी

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. चोल साम्राज्य में सभा की किसी समिति का सदस्य बनने के लिए आवश्यक शर्तें क्या थीं?

उत्तर - चोल साम्राज्य में सभा किसी समिति का सदस्य बनने के लिए निम्न शर्तें आवश्यक थीं

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

i. सभा की सदस्यता के लिए इच्छुक लोगों को ऐसी भूमि का स्वामी होना चाहिए, जहाँ से भू-राजस्व वसूला जाता है।
ii. उनके पास अपना घर होना चाहिए।
iii. उनकी उम्र 35 से 70 के बीच होनी चाहिए।
iv. उन्हें वेदों का ज्ञान होना चाहिए।
v. ईमानदार होना चाहिए।
vi. उन्हें प्रशासनिक मामलों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

evidyarthi
www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. चाहमानों के नियंत्रण में आनेवाले दो प्रमुख नगर कौन-से थे?

उत्तर - दिल्ली और अजमेर चाहमानों के नियंत्रण में दो शहर थे।

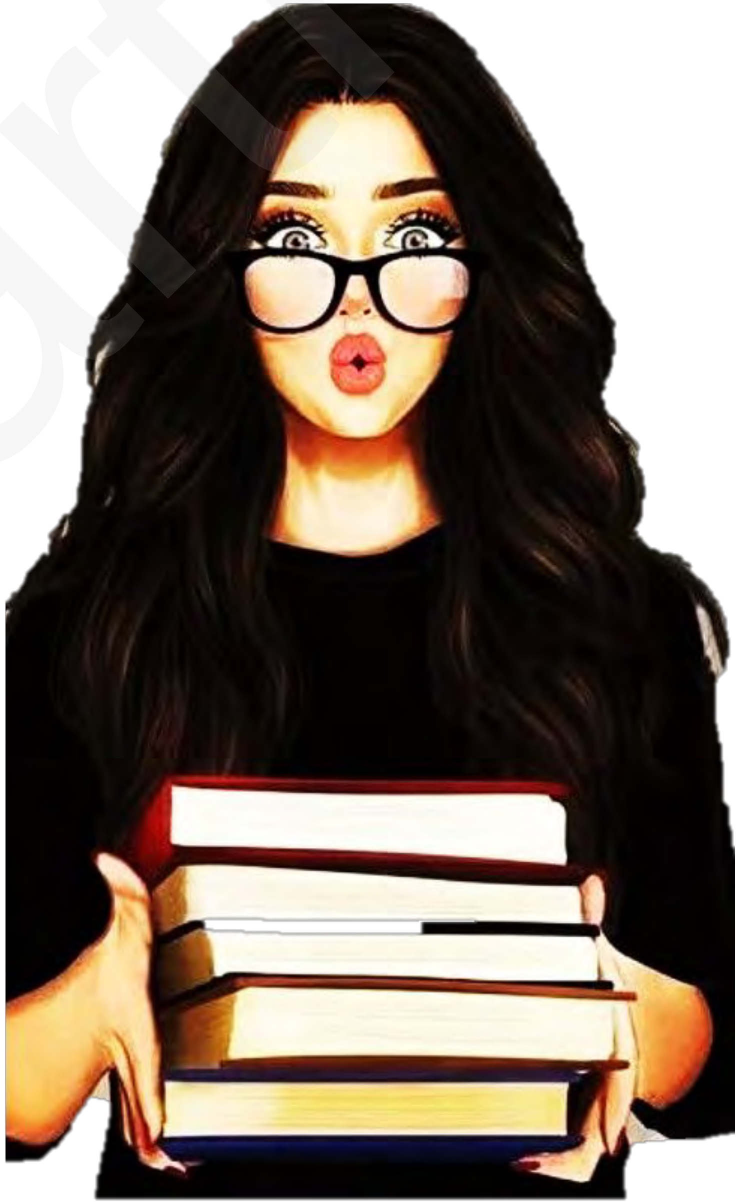

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

दिल्ली

अजमेर

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

आइए समझें

प्रश्न 5. राष्ट्रकूट कैसे शक्तिशाली बने?

उत्तर - राष्ट्रकूट शुरू में कर्नाटक के चालुक्य राजाओं के अधीन थे। आठवीं सदी के मध्य में एक राष्ट्रकूट शासक । दंतीदुर्ग ने चालुक्यों की अधीनता से इंकार कर दिया। बाद में चालुक्यों को उसने हराया और अपनी सैनिक शक्ति में वृद्धि की।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

छठी और दसवीं शताब्दी

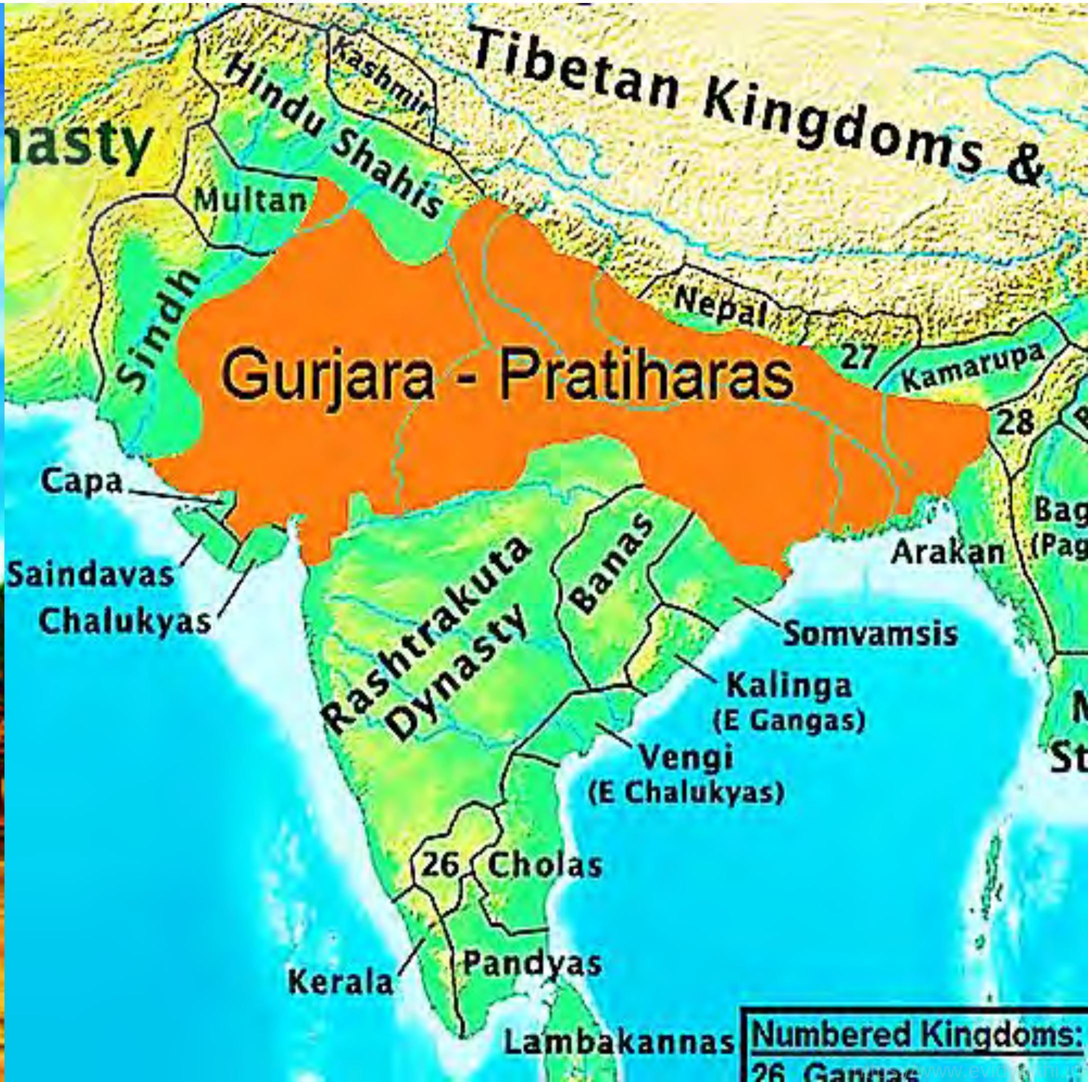

www.evidyarthi.in

राष्ट्रकूट उनमें से एक थे जो शुरू में दक्कन में चालुक्यों के अधीनस्थ थे। आठवीं शताब्दी के मध्य में, राष्ट्रकूट प्रमुख दंतिदुर्ग ने हिरण्य-गर्भ का अनुष्ठान किया और चालुक्य अधिपति को उखाड़ फेंका। अनुष्ठान समाप्त होने के बाद उनका क्षत्रिय के रूप में पुनर्जन्म हुआ, भले ही वह जन्म से न हों।

भगवान ब्रह्मा

www.evidyarthi.in

प्रश्न 6. नये राजवंशों ने स्वीकृति हासिल करने के लिए क्या किया?

उत्तर - उन्होंने बहादुर, विजयी योद्धाओं के रूप में उन्हें चित्रित करने के लिए विद्वान ब्राह्मणों को भी प्रतिनियुक्त किया। प्रशस्तियों में उनकी गतिविधियों को दर्ज किया गया था। उन्होंने बड़े मंदिरों का निर्माण करके अपनी शक्ति और संसाधनों को प्रदर्शित करने का प्रयास किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

अधि राजा शिवाजी

www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

प्रश्न 7. तमिल क्षेत्र में किस तरह की सिंचाई व्यवस्था का विकास हुआ?

उत्तर - उन्होंने बहादुर, विजयी योद्धाओं के रूप में उन्हें चित्रित करने के लिए विद्वान ब्राह्मणों को भी प्रतिनियुक्त किया। प्रशस्तियों में उनकी गतिविधियों को दर्ज किया गया था। उन्होंने बड़े मंदिरों का निर्माण करके अपनी शक्ति और संसाधनों को प्रदर्शित करने का प्रयास किया।

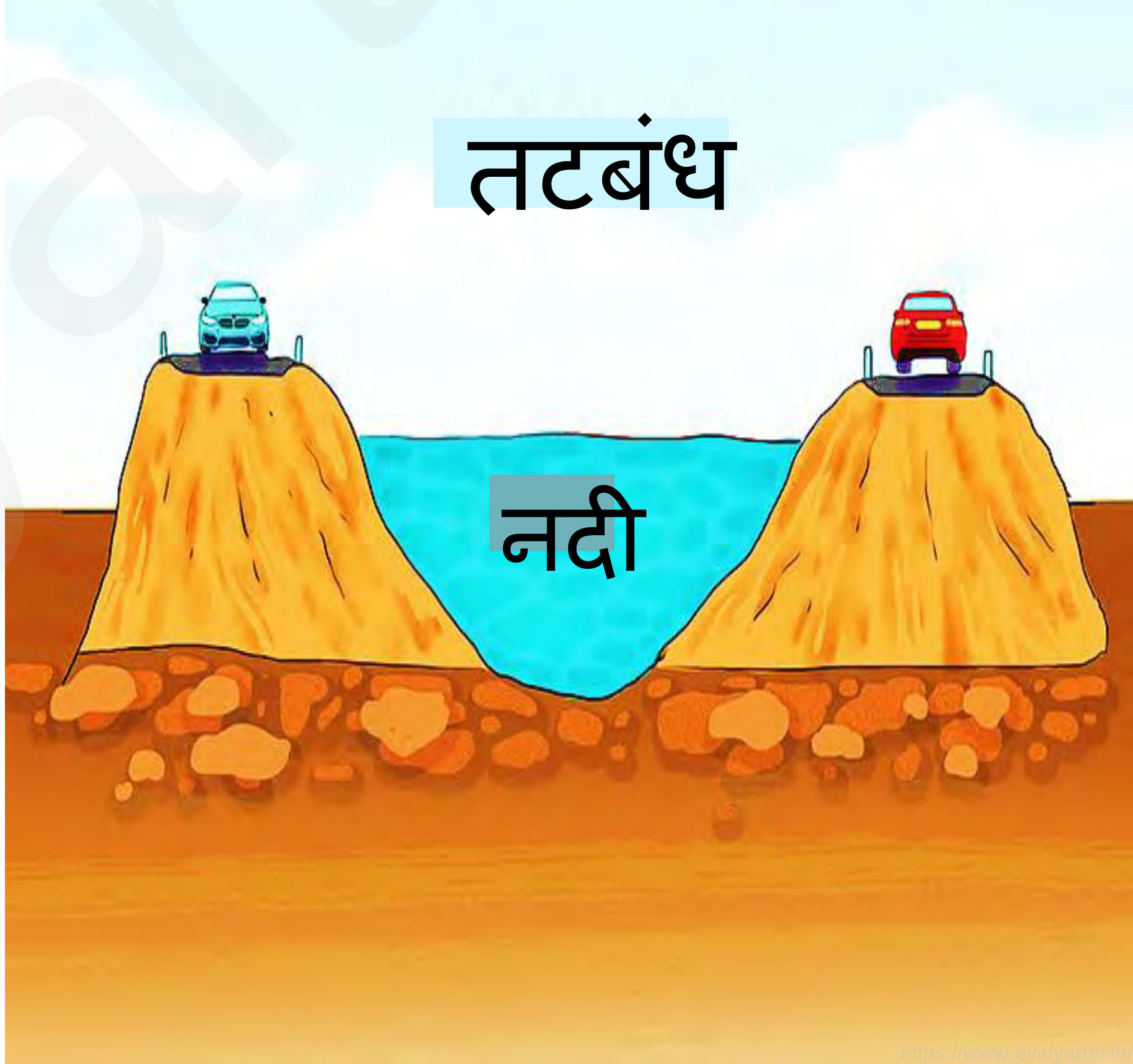

कक्षा VII पाठ 2 राजा और उनके राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

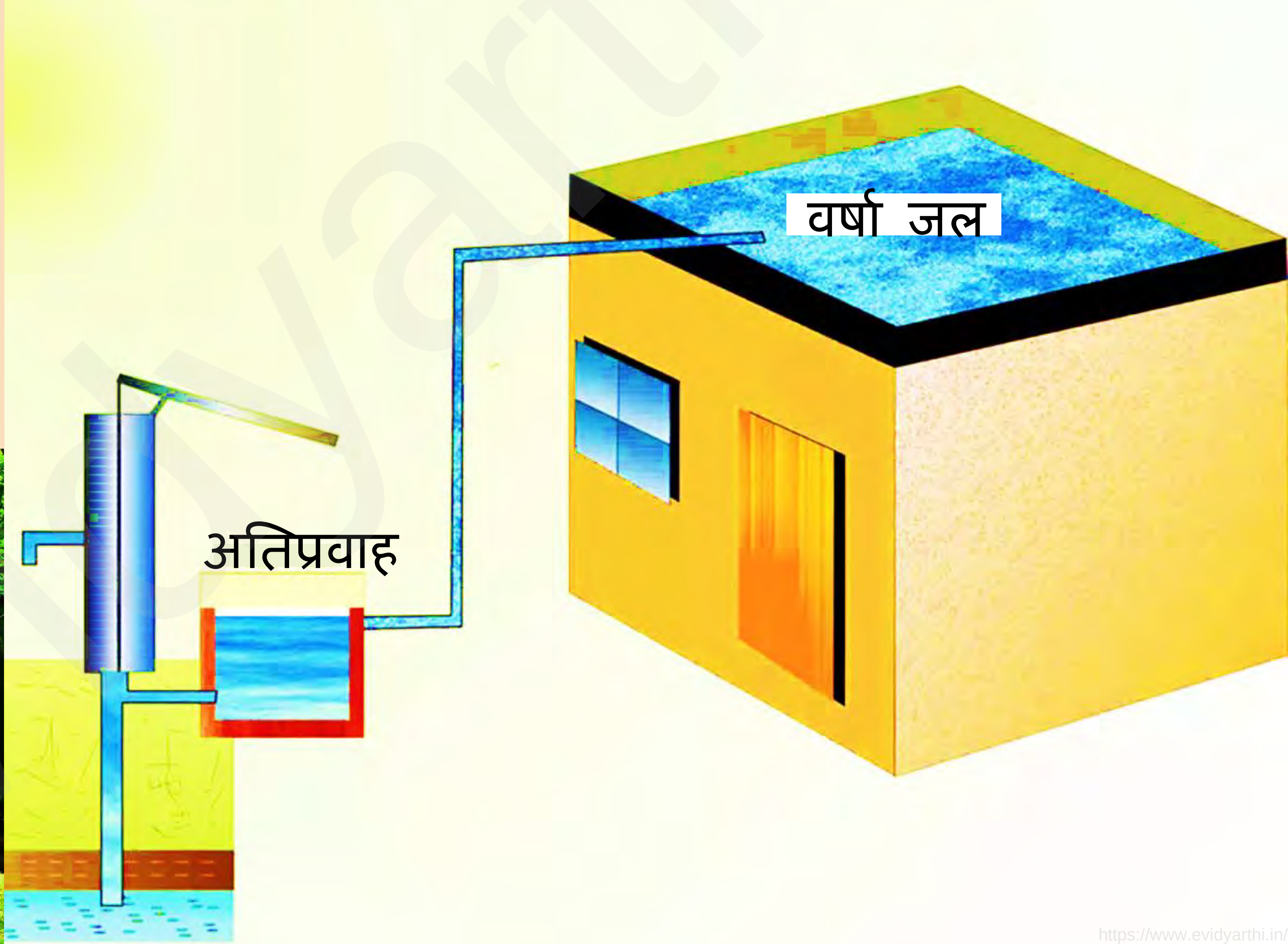

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

प्रश्न 8. चोल मंदिरों के साथ कौन-कौन सी गतिविधियाँ जुड़ी हुई थीं?

उत्तर - चोल मंदिर अपने चारों ओर विकसित होने वाली बस्तियों के केंद्र थे जिनमें शिल्प उत्पादन के केंद्र भी शामिल थे। मंदिरों को भी शासकों के साथ-साथ अन्य लोगों द्वारा भी भूमि के साथ संपन्न किया गया था।

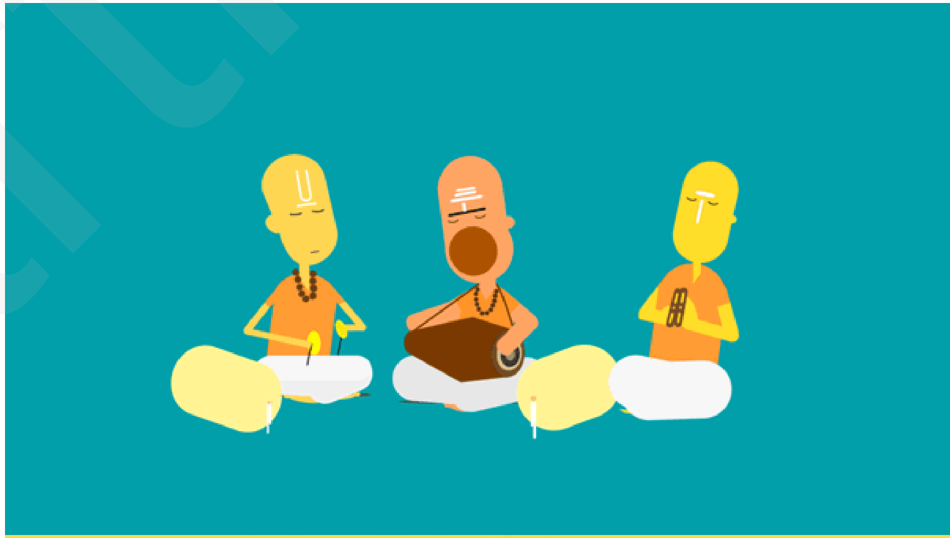

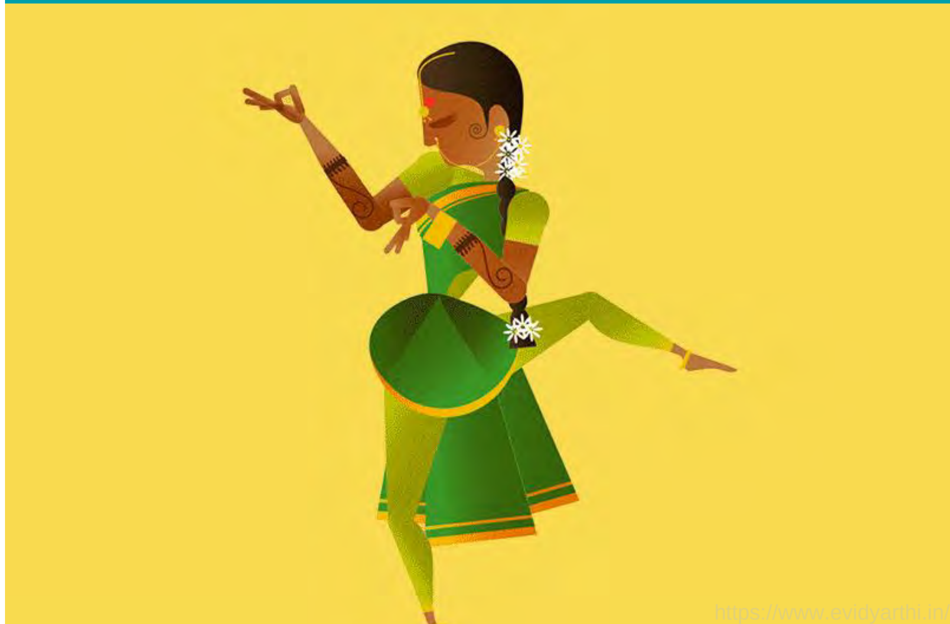

www.evidyarthi.in

चोल मंदिर

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

भूमि की उपज का उपयोग पुजारियों, माला बनाने वालों, रसोइयों, सफाईकर्मियों, संगीतकारों, नर्तकियों आदि के रखरखाव के लिए किया जाता था, जो मंदिरों से जुड़े थे और उनके लिए काम करते थे। इसलिए मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं थे। वे आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के भी केंद्र थे।

https://www.evidyarthi.in/